

गोपनीय

उत्तरांचल शासन

सतर्कता अनुभाग

रांगड़ा। ७३/सतर्कता-२००२-३८(11)/२००२

देहरादून: दिनांक: २६ अप्रैल, २००३

कार्यालय-ज्ञाप

विषय:- सतर्कता जाँच से साम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया।

भ्रष्टाचार की शिकायतों की जाँच अथवा अनुसंधान करने के लिए प्रदेश में सतर्कता अधिष्ठान स्थापित है। इस अधिष्ठान को जाँच के लिए मामले शासन के सतर्कता विभाग द्वारा अधिर्दिष्ट किए जाते हैं। सामान्यतः राजपत्रित अधिकारियों के विरुद्ध जाँच/अन्वेषण राज्य सतर्कता अधिष्ठान द्वारा की जाती है। यदि राजपत्रित अधिकारी के साथ-साथ अराजपत्रित कर्मचारी का आचरण भी अन्तर्गत पाया जाता है तो संतर्कता अधिष्ठान द्वारा जाँच की जाती है। शासन द्वारा सतर्कता अधिष्ठान को जाँच/अन्वेषण के लिए मामले अधिर्दिष्ट किये जाने एवं सतर्कता अधिष्ठान से जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात सतर्कता अधिष्ठान की संस्तुति पर कार्यवाही किये जाने हेतु निम्न प्रक्रिया निर्धारित किये जाने का निर्णय लिया गया है:-

सतर्कता अधिष्ठान को जाँच/अन्वेषण अधिर्दिष्ट किये जाने की प्रक्रिया

- 1- सतर्कता जाँच से साम्बन्धित मामलों का प्रशासकीय विभाग द्वारा गहराई से परीक्षण किया जाय और ऐसे ही मामले सतर्कता जाँच हेतु भेजे जायें जिसमें विशिष्ट एजेंसी से जाँच का औचित्य हो अथवा विभागीय जाँच सम्भव न हो एवं मामला महत्वपूर्ण हो।
- 2- भ्रष्टाचार साम्बन्धी मामलों की जाँच सतर्कता विभाग से कराये जाने का अनुरोध प्रशासकीय विभागों द्वारा सामान्यतया राजपत्रित अधिकारियों एवं समकक्ष लोक सेवकों के साम्बन्ध में ही किया जाना चाहिए।
- 3- सतर्कता अधिष्ठान को सौंपे जाने वाले मामलों का आवश्यक परीक्षण करने के उपरान्त सतर्कता जाँच का औचित्य प्रतीत होने पर प्रशासकीय विभाग अपने प्रस्ताव सहित सम्बन्धित पत्रावली एक स्वतः स्पष्ट टिप्पणी के साथ भेजें जिसमें आरोपों का स्पष्ट उल्लेख हो अथवा वे विन्दु भी स्पष्टतया अंकित हो जिनके आधार पर सतर्कता जाँच का औचित्य पाया जा रहा है।
- 4- प्रशासकीय विभाग द्वारा सतर्कता जाँच के लिए मामले अधिर्दिष्ट करते समय प्रभारी माननीय मंत्री जी का अनुमोदन लेने की आवश्यकता नहीं होगी चूंकि सतर्कता विभाग द्वारा वैकल्पिक कार्यवाही सुझाये जाने की भी सम्भावना हो सकती है।
- 5- सतर्कता जाँच के लिए अधिर्दिष्ट किये जाने वाले मामले का परीक्षण सतर्कता विभाग में किया जायगा और सतर्कता विभाग द्वारा प्रशासकीय विभाग के प्रभारी मंत्री जी के भाध्यम से उच्चादेश प्राप्त करके अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी।
- 6- यदि किसी मामले में माझे मंत्री जी द्वारा सतर्कता जाँच के सीधे ही आदेश प्रदान किये जाते हैं तब ऐसे मामले में प्रशासकीय विभाग द्वारा माझे मंत्री जी के आदेश मूल रूप में सतर्कता विभाग को उपलब्ध कराये जायेंगे और सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जाँच के आदेश जारी करने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

सतर्कता अधिष्ठान की जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त की प्रक्रिया।

- 1- सतर्कता अधिष्ठान द्वारा की गई जाँच के उपरान्त दोषी पाए गए लोक सेवकों के विरुद्ध सतर्कता विभाग की संस्तुति प्रशासकीय विभाग को अग्रेतर कार्यवाही हेतु भेजी जाएगी।

2- सतर्कता विभाग द्वारा अभियोजन चलाये जाने के प्रकरणों में न्याय विभाग की राय प्राप्त करने के उपरान्त संस्तुति प्रशासकीय विभाग को भेजी जायेगी।

3- सतर्कता विभाग द्वारा की गयी संस्तुति से यदि प्रशासकीय विभाग सहमत न हो और भिन्न मत रखते हों तो अन्तिम निर्णय लेने के पूर्व सतर्कता विभाग का मत भी प्राप्त करें। प्रशासकीय विभाग विभागीय मंत्री जी को अनुमोदन सतर्कता विभाग का मत प्राप्त करने के पूर्व प्राप्त नहीं करें।

4- सतर्कता विभाग द्वारा की गई संस्तुति पर दण्डित लोक सेवक यदि अपील करता है और प्रशासकीय विभाग उस अपील को स्वीकार करना चाहते हैं तो उस पर अन्तिम निर्णय लेने से पूर्व सतर्कता विभाग का मत भी प्राप्त करें।

5- कृपया उपर्युक्त प्रक्रिया का कड़ाई से अनुपालन करने का कष्ट करें।

१२-१५/२०७३
(मधुकर गुप्ता)
मुख्य सचिव

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव(नाम से)